

दून सलिक

चर्चा में क्यों?

दून सलिक को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF) के तहत एक लेबल है जो उत्तराखंड की प्राचीन रेशम-बुनाई परंपराओं को बनाए रखने और पुनर्स्थापित करने के लिये प्रतबिद्ध है।

मुख्य बद्दि

- दून सलिक के उत्पाद उत्तराखंड के किसानों, रीलरों (Reelers), बुनकरों, शिल्पकारों और रंगाई करने वालों की प्रतभि एवं कलात्मकता के प्रमाण हैं।
- यह ब्रांड **रेशम, ऊन, कपास, बच्चुआ (बच्चु बूटी) और जूट (Hemp)** जैसे **प्राकृतिक रेशों** से बने उत्पादों की एक शृंखला प्रस्तुत करता है, जनिहें पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालने के लिये चुना गया है।
- गुणवत्ता और शिल्प कौशल के प्रतबिब्रान्ड की प्रतबिद्धता ने इसे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों बाज़ारों में महत्त्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने में सहायता की है।
- हथकरघा पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करके, दून सलिक **पारंपरिक तकनीकों को बनाए रखता है तथा** उत्तराखंड में 6,000 से अधिक लोगों को **स्थायी रोज़गार की संभावनाएँ** प्रदान करता है।
- दून सलिक की **100% प्राकृतिक फाइबर की गारंटी** शुद्धता के प्रतबिसके समर्पण को दर्शाती है।

को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF)

- इसकी **स्थापना वर्ष 2002** में उत्तराखंड के रेशम उत्पादन वभाग की कोकून-पश्चात गतविधियों को संचालित करने के उद्देश्य से देहरादून में की गई थी।
- 20 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, संगठन ने ऊनी और रेशमी मशिरति कपड़ों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए **उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई को पुनर्जीवित** किया है।
- UCRF और इसका ब्रांड दून सलिक पर्यावरण तथा **पारस्थितिकी तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यूनतम** करने के लिये रेशम, ऊन, कपास, बच्चु बूटी एवं जूट जैसे **प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके हथकरघा उत्पादन को प्राथमिकता** देते हैं।